* K - 0 1 1 1 *

K-0111

Third Year B. A. Examination

September / October – 2012

Hindi : Paper - II

(हिन्दी निबंध एवं अन्य गद्यविद्याएँ)

(Old Course)

Time : **3** Hours] [Total Marks : **70**

सूचना :

(१)

નીચે દર્શાવેલ ☛ નિશાનીવાળી વિગતો ઉત્તરવહી પર અવશ્ય લખવી.
Fillup strictly the details of ☛ signs on your answer book.

Name of the Examination :

☛ THIRD YEAR B. A.

Name of the Subject :

☛ HINDI - 2 (OLD)

☛ Subject Code No. : 0 1 1 1 ☛ Section No. (1, 2,.....) : NIL

Seat No. :

Student's Signature

(२) दाहिनी और प्रश्नों के अंक रखे हैं ।

१ 'जगत प्रवाह' निबंध में निबंधकार का गंभीर चिंतन स्पष्ट रूप में दिखाई देता हैं । इस विधान की परख कीजिए । १४

अथवा

१ 'आचरण की सभ्यता' निबंध की विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए । १४

२ 'त्रिशंकु बेचारा' में आधुनिक युग का कटु यथार्थ लिपिबद्ध हुआ है । इस विधान की समीक्षा कीजिए । १४

अथवा

२ 'संस्कार और भावना' एकांकी के आधार पर माँ का चरित्रांकन कीजिए । १४

३ निबंध कला की दृष्टि से 'पहला सफेद बाल' का मूल्यांकन कीजिए । १४

अथवा

३ 'घीसा' संस्मरण के आधार पर घीसा की चारित्रिक विशेषताएँ बताइए । १४

४ टिप्पणियाँ लिखिए : १४

(१) 'क्रोध' निबंध का उद्देश्य ।

अथवा

(१) 'पहला सफेद बाल' की भाषा–शैली ।

(२) 'बूढापा' निबंध का सार ।

अथवा

(२) 'मेरी वसीयत' में व्यक्त देश–प्रेम ।

५ ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए : १४

(अ) ''यदि क्रोध न हो तो मनुष्य दूसरों के द्वारा पहुँचाए जानेवाले बहुत से कष्टों की चिर निवृत्ति का उपाय ही न कर सके ।''

अथवा

(अ) ''मेरा यह मतलब कदापि नहीं था कि विदेशी भाषाएँ सीखनी ही न चाहिए । आवश्यकता, अवसर और अवकाश होने पर हमें इक नहीं, अनेक भाषाएँ सीखकर ज्ञानार्जन करना चाहिए, द्वेष किसी भाषा से न करना चाहिए, ज्ञान कहीं भी मिलता हो, ग्रहण ही कर लेना चाहिए ।''

(ब) ''मैं चाहता हूँ, और मन से चाहता हूँ कि मेरे मरने के बाद कोई धार्मिक रस्में न अदा की जाए । मैं ऐसी बातों को नहीं मानता हूँ और सिर्फ रस्म समझकर इनमें बँध जाना धोखे में पडना मानता हूँ ।''

अथवा

(ब) ''जीवन की सहजता और स्वाभाविकता मानो लोप हो गई है और उसके स्थान पर आ गई है घोर कृत्रिमता ! अन्दर एक बात है और बाहर दूसरी ! खरी बात सुनाने का दम सब मारते है, पर सुनता कोई नहीं क्योंकि इसका जो फल भोगना पडता है, उसकी तैयारी नहीं होती ।''